

दरबार में सचे सतगुरु के दुख दर्द मिटाए जाते है

दरबार में सचे सतगुरु के दुख दर्द मिटाए जाते है,

ये महफ़िल है मस्तानो की हर शख़्श याहा पर मतवाला,
भर भर के जाम इबातात के,
याहा सब को पिलाए जाते है,
दरबार में सचे सतगुरु के दुख दर्द मिटाए जाते है,

इल्ज्म लगने वालो ने इल्जाम लगाये लाख मगर,
तेरी सोगात समज कर के हम सिर पे उठाये जाता है,
दरबार में सचे सतगुरु के दुख दर्द मिटाए जाते है,

जिन बन्दों आर एह जग बालो हो खास इनायत सतगुरु की,
उनको ही संदेसा आता है और वे ही बुलाये जाते है
दरबार में सचे सतगुरु के दुख दर्द मिटाए जाते है,

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/15880/title/dabar-me-sache-satguru-ke-dukh-dard-mitaye-jaate-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |